मानसश्री गोपाल राजू
30, सिविल लाइन्स
रूड़की - 247 667 (उत्तराखण्ड)
www.bestastrologer4u.com

सोना खोना अथवा पाना दोनों अशुभ हैं

gopal raju

सोना मूल्यवान होने के साथ-साथ एक पवित्र धातु भी माना जाता है । यह ऐश्वर्य और सम्पन्नता का प्रतीक है । सोने के प्रति किसी का मोह न हो, ऐसा बहुत ही कम देखने को मिलेगा । अलंकरण के साथ-साथ आयुर्वेद में भी इसके औषधीय गुण भरे हुए हैं ।शुभ मुहुर्त में सोने का क्रय करना और घर में रखना साक्षात लक्ष्मी का स्थाई वास माना जाता हैं। शकुनशास्त्र के अनुसार सोना कहीं से पाना अथवा खो जाना दोनों ही अशुभ माने गए हैं। यह मान्यता केवल इस एक धातु के लिए ही चलन में है। ज्योतिष शास्त्र में इसका एक तार्किक पक्ष भी मिलता है । सोना पीले रंग का होता है। इस धातु पर गुरू ग्रह का आधिपत्य माना जाता है। गुरू ग्रह परिवार का कारक भी है। इसीलिए माना गया कि सोना यदि खो जाये तो परिवार पर कष्ट आने लगते हैं। इन कष्टों में बीमारी ,आपदा ,कलह आदि कोई भी कारण हो सकते हैं। सोना कही से अकस्मात् पाना भी अशुभ माना गया है। इसके पीछे भी भाव यही है कि किसी परिवार का कष्ट सोना पाने वाले परिवार के ऊपर पढ़ने लगता है।

कहीं से अकस्मात् किसी को सोना मिल जाए तो उसके मन में एक अज्ञात अनर्थ का सदैव भय बना रहता है । इस भय को दूर करने का सबसे अच्छा निदान तो यह है

कि वह उसके स्वामी तक ही किसी तरह पहुँच जाए। यदि यह सम्भव न हो तो उसमें से कुछ अंश कहीं धर्म कार्य अथवा सुपात्र को दान कर दिया तो पाए गए सोने की अशुभता समाप्त हो जाती है। यदि पाया हुआ सोना बेच रहे हैं तो उसके बदले मिले पैसों में से कुछ अंश धर्मकार्य अथवा सुपात्र को दान कर दें। यदि सोना खो गया है तब प्रायश्चित् स्वरूप एक जटा वाला नारियल कहीं बहते हुए पानी में प्रवाहित कर दें और प्रायश्चित् कर लें। भाव यही रखें कि हमारे कष्ट, बीमारी, आपदा आदि पानी के जल के बहाव के साथ-साथ हमसे दूर हो रहे हैं।

gopal raju